Gwalior Dhwani

Gwalior Diocesan News Bulletin
November 2024 Vol. 5/ Book 11

CHRIST The KING

24th Nov

Gwalior Dhwani
Diocesan News Bulletin

Most Rev Bishop Joseph Thykkattil
(Patron)

Editorial Board
Rev. Fr. Johnson B. Maria
Rev. Fr. C. Alphonse
Rev. Fr. Isaac Akash
Mrs. Roseline Sikarwar

Address:
Karuna Bishop's House,
Jonagar, Kheriya Modi, Morar
Gwalior – 474006
gwaliordhwani@gmail.com

(For private Circulation only)

Celebrations November 2024

08. Fr. Vincent Soares (B)
11. Fr. Martin Joseph (F)
19. Fr. Paul C John (B)
23. Fr. Clement P. OSB (F & B)
26. Fr. Vakkachan P. OSB (B)
Christ the King- Fr. Pratap (F)

Holy Father's Universal Intention:

For Anyone Who Has Lost a Child:

We pray that all parents who mourn the loss of a son or daughter find support in their community and receive peace and consolation from the Holy Spirit.

Editorial

विगत माह माता मरियम को समर्पित माला विनती का महीना था। हमने कई बड़े-बड़े त्यौहार मनाए, विशेष रूप से हमारे मातृ धर्मप्रांत झाँसी में सन्त यूदा थदेउस का पर्व बड़े धूम-धाम से मनाया गया। हमारे धर्मप्रांत में श्रद्धेय फादर पायस के पुरोहिताभिषेक की रजत जयन्ती बड़े हर्षोल्लास से मनाई गई। वास्तव में पुरोहित होना एक ईश्वरीय वरदान है जो सिर्फ चुने हुए लोगों को मिलता है। पुरोहित बनने के लिए अनेक नवयुवक सामने आते हैं, गुरुकुल में प्रवेश लेते हैं, अध्ययन करते हैं, लेकिन उनमें से कुछ ही लोग पुरोहित बन पाते हैं। कई बार पुरोहित बनने के बाद भी अपने पुरोहिताई के जीवन को गंभीरता से न लेते हुए कई पुरोहित इस वरदान को बर्बाद कर देते हैं। लेकिन आज के चुनौती भरे समय में पच्चीस वर्षों तक एक अच्छा पुरोहित बने रहना बहुत बड़ी उपलब्धि है और ईश्वर के प्रति कोटि-कोटि धन्यवाद देने का अवसर है।

माला विनती के अक्तूबर महीने में श्रद्धेय फादर साइमन की अगुआई में धर्मप्रांतीय युवा समूह द्वारा धर्मप्रांत के प्रत्येक पल्ली एवं मिशन में येरीखों माला विनती का आयोजन किया गया। प्रत्येक पल्ली से लोगों ने बड़े भक्ति भाव से इस माला विनती में भाग लिया। महीने के अंतिम दिन करुणा बिशप हाउस में बड़े धूम-धाम से इसका समापन हुआ। इस पूरे आयोजन की दोनों धर्माध्यक्षों एवं सभी लोगों ने काफी सराहना की और भविष्य में भी इसी तरह के आयोजन करते रहने का आहवाहन किया। फादर साइमन ने भी सभी के सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

नवम्बर का पवित्र महीना भी अनेक प्रार्थनामय अवसर लेकर आता है। इसका पहला दिन ही हमें जीवंत सन्त बनने की बुलाहट की याद दिलाता है, और पहला सप्ताह सभी मृत व्यक्तियों के लिए प्रार्थना का विशेष सप्ताह है। इस संसार में रहते समय हम न केवल अपने लिए प्रार्थना कर पाते हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रार्थना कर सकते हैं। लेकिन हम जानते हैं कि कोई भी व्यक्ति निष्पाप नहीहै या ऐसा नहीं है जिसे शुद्धिकरण की आवश्यकता न हो, पापों की क्षमा की आवश्यकता न हो। लेकिन बिडम्बना यह है कि हम मृत्यु उपरांत अपने लिए ही प्रार्थना नहीं कर सकते। हमें दूसरों की प्रार्थनाओं की जरूरत पड़ती है। इसलिए हमारा परम कर्तव्य बनता है कि हमें सभी मृत विश्वासियों के लिए प्रार्थना करना चाहिए, क्या मालूम हमारे लिए भी कोई प्रार्थना करे।

इस साल के ख्रीस्त राजा पर्व की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। अलग-अलग प्रतियोगिताओं के लिए योजनाएं एवं दिशा-निर्देश तैयार हो चुके हैं। ख्रीस्त राजा पर्व के इस समारोह का दूसरा नाम 'धर्मप्रांतीय पारिवारिक मिलन समारोह' भी है या अंग्रेजी में 'डाइसीसन फॅमिली गेट-टुगेदर है। यानि कि हमारा धर्मप्रान्त एक वृद्ध परिवार है और हमारे छोटे-छोटे परिवार उसके सदस्य हैं। एक परिवार के सभी सदस्यों को आपस में मिल-जुलकर रहना ही ख्रीस्त के प्रेम का सच्चा साक्ष्य है। हो सकता है कभी-कभी परिवार के सदस्यों में आपसी मत-भेद हों लेकिन वे मतभेद हमारे आपसी प्रेम और परहित की भावना से ऊपर न हों। सभी को ख्रीस्त राजा के महापर्व की अग्रिम शुभकामनायें।

ग्वालियर ध्वनि की टीम की ओर से
फादर जॉनसन बी मरिया

Shepherd's Voice

01 November 2024

Dear Fathers, Sisters, Brothers, Lay Faithful and Children
Jai Yesu

St. Paul addressed the Christians, "Saints", because God created us to lead a holy life and reach heaven one day. We have seen the list of canonized saints in the Church. There are many more innumerable saints in heaven who led a holy life and reached heaven. The celebration of All Saints Day on 01st November reminds us of our primary goal in life is to be a saint.

The souls in purgatory who undergo pain and purification need to be helped by our prayers and spiritual exercises. A person suffering in the purgatory cannot help him/herself, it longs for our prayers. We pray every day for them and offer Holy Mass for them. Let us not only pray for our departed family members and friends but also for all those souls who have nobody to pray for and nobody remembers them. We teach our children and family members to pray for the departed souls every day. We intensify these prayers in this month of November. We can also seek the intercession of our dear departed.

We bishops and priests of our Diocese will be making our Annual Spiritual Retreat from 03rd to 08th of this month. Rev. Dr. Wilson Srampickal OCD will be the Director of the Retreat. It is a very precious time for us; therefore, i request all of you to pray for us specially during these days of retreat. Thank you.

A Very Happy Feast to Sr. Cloti and Sisters of St. Charles Convent Shivpuri. I take this opportunity to thank and appreciate the sisters for their dedicated services.

November 14th, the birthday of Pandit Jawaharlal Nehru, is observed as children' s day. Today is also the birthday of my beloved mother Kochumariam. She used to 'boast' that she and Nehru were born on the same day. May she rest in peace. I wish all the children of our Diocese, a happy children's day and blessings in abundance.

A Very Happy Feast to Rev Fr. Simon Raj and all Choir Members of our Diocese as we celebrate the Feast of St. Cecilia on 22nd of this month. You make a lot of sacrifice and practice many days to have a good singing on Sundays and other special occasions. I thank all those priests, religious, men, women and youth who coordinate and co-operate in forming parish / Diocese choir. May God bless you all.

I wish all the best for the Diocesan Family Get-together on 23rd November at Vianney campus. A lot of planning under the leadership of Rev. Fr. Harshal with the support of Vianney staff has already gone ahead. More than the spirit of inter-parish competitions, make use of this occasion to meet one another, to learn more about other parishes and to make new friends.

We rededicate our Diocese under the loving and powerful protection of Jesus, the Universal King. Each one of us through our genuine Christian life will become heirs of heaven. We begin the prayer for Jubilee 2025 from the Solemnity of Christ the King.

I would like to appreciate Rev Fr. Simon Raj and the youth of our Diocese for coordinating the Jericho Rosary covering the whole diocese and the meaningful and beautiful concluding celebration held in Karuna, Diocesan Center and the Campus.

Congratulations to Rev Fr. Michael Anthone and Rev Fr. Dr. Thomas Vijay SAC for successfully conducting the 3 days BEC workshop for Parish Teams at the Pastoral Center. It is not always possible for all the expected people to attend a program; therefore, I request the commission to organise ongoing workshops at regular intervals.

The Holy Season of Advent begins from Sunday 01st December 2024.
May you all receive God's blessings in abundance.
Love and Prayers.

✠ Joseph Thykkattil
Bishop of Gwalior

Bishop's Engagements, November 2024

02: All Souls Day.
03: am: Day of the Catechism Children.
03 - 08: Annual Clergy Retreat, Karuna.
09: Pilgrims from Kerala.
12: Rajagiri
13 - 14: C. C. I. Pala
16: am: Exhibition, St. Gonzalo Garcia School, Pohri.
16: pm: Provincial Superior, CTC.
17: am: F H C, Cathedral, Gwalior.
17: pm: Golden Jubilee, Agra.
19: BEC Core Group, Karuna.
23: Diocesan Family Get-together, Vianney School.
24: Solemnity of Christ the King, St. Paul's Morar.
28: Silver Jubilee, Bhind.
29: Diamond Jubilee, St. Paul's, Morar.
30: St. Joseph's Piproli, Annual Function.

पोप फ्रांसिस का धर्मपत्र "Dilexit Nos" पवित्र हृदय और आधुनिक दुनिया में इसकी प्रासंगिकता पर एक गहन चिंतन है। यह दस्तावेज़ लगभग 30,000 शब्दों का है और धर्मशास्त्र और परंपरा से व्यापक रूप से प्रेरित है, जिसमें बालक येसु की संत तेरेसा, संत फ्रांसिस डी सेल्स, और संत चार्ल्स डी फोकॉल्ड जैसे संतों की अंतर्दृष्टि शामिल हैं।

धर्मपत्र को पाँच अध्यायों में विभाजित किया गया है, जो पवित्र हृदय और इसके आधुनिक जीवन में महत्व के विभिन्न पहलुओं की खोज करते है:

हृदय का महत्व: पोप फ्रांसिस यह बताते हुए शुरू करते हैं कि हृदय मानवीय अस्तित्व का मूल है। वे तर्क करते हैं कि एक ऐसी दुनिया में जहाँ ऊपरी दिखावा और उपभोक्तावाद हावी हैं, हृदय की पुनर्खोज हमारे सच्चे स्वयं (व्यक्तित्व) और हमारे जीवन के उद्देश्य को समझने के लिए आवश्यक है।

येसु के प्रेमपूर्ण कार्य और शब्द: दूसरा अध्याय येसु के कार्यों और शिक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करता है, यह रेखांकित करते हुए कि उनका प्रेम बिखरी हुई दुनिया में एक एकीकृत शक्ति है। फ्रांसिस येसु के शब्दों पर चिंतन करते हैं, "मैंने तुमसे प्रेम किया है" (योहन 15:9), और यह प्रेम स्थायी और बिना शर्त है।

पवित्र हृदय की भक्ति का धार्मिक अर्थ: इस अध्याय में पोप येसु के पवित्र हृदय की भक्ति के धार्मिक महत्व की खोज करते हैं। वे चर्चा करते हैं कि यह भक्ति कैसे गहन आध्यात्मिकता और सामुदायिक प्रतिबद्धता की ओर ले जा सकती है।

आध्यात्मिक गतिक्रिया और सामाजिक प्रभाव: चौथा अध्याय येसु के पवित्र हृदय की भक्ति के आध्यात्मिक लाभों और इसके समाज पर प्रभाव की जांच करता है। फ्रांसिस "तरल समाज" (समाज जिसमें निराशा और अनिश्चितता है) की आलोचना करते हैं, जिसमें तकनीक और उपभोक्तावाद हावी हैं, और गहरी, सार्थक संबंधों की वापसी का आग्रह करते हैं।

प्रौद्योगिकी और मानवता: अंतिम अध्याय तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करता है। पोप फ्रांसिस तर्क करते हैं कि जबकि तकनीक सहायक हो सकती है, यह हमारे जीवन में प्रेम और काव्य की आवश्यकता को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती है। वे जोर देते हैं कि हृदय हमारी गहरी भावनाओं का स्रोत है और हमारे प्रेम की क्षमता का आधार है।

पूरे धर्मपत्र में, पोप फ्रांसिस येसु के पवित्र हृदय और इसके व्यक्तिगत और सामुदायिक जीवन में भूमिका की एक नई समझ के लिए आह्वान करते हैं। वे येसु के प्रेम और इसके धार्मिक नवीकरण और समकालीन चुनौतियों के लिए सार्थक प्रतिक्रिया के प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

A capacity building seminar was conducted for the teachers of St. Gonsalo School, Pohri, and St. Peter's School, Singhniwas, led by Fr. Alfred D'Souza from Bhopal. The seminar aimed to enhance the educators' skills and effectiveness in the classroom, fostering a better learning environment for students.

The Parish Feast of Little Flower Mission, Badarwas was joyfully celebrated on October 20, 2024, with a solemn Holy Mass presided over by Bishop Joseph Thykkattil, concelebrated by Parish Priest Father Hemant and other priests, followed by a brief program that united the parish community in festive spirit.

Hearty congratulations to Rev. Sr. Dr. Asha Bennan the Principal of St. Peter's School, Dabra, on being honored with a Doctor of Philosophy (Ph.D.), along with Rev. Sr. Dr. Mini Peter from St. Charles.

A friendly football match was held between St. Benedict's School and Little Flower School, fostering camaraderie and sportsmanship among the students.

The BEC training program, organized by Regional Secretary Fr. Michael, was held at the Diocesan Pastoral Centre in Bhopal, graced by the presence of Most Rev. Bishop Joseph Thykkattil, Regional Chairman for BEC, and Rev. Fr. George Jacob, National Secretary for BEC.

ON THE OCCASION OF FATHER PIUS'S SILVER JUBILEE, HIS FAMILY MEMBERS WERE EXTENDED A WARM AND CORDIAL WELCOME AT KARUNA.

REV. FR. GILBERT ANTONY HAS BEEN APPOINTED AND HAS TAKEN OVER AS THE MISSION IN-CHARGE OF ST. FRANCIS XAVIER MISSION, KOLARAS

An Inter-Religious Dialogue was organized at St. Gonsalo Garcia Mission School, Pohri, led by the principal, Fr. Akash. Various religious leaders participated in the event, each sharing their insights on the given topic. The program aimed to foster understanding and respect for different faiths among the students, encouraging a spirit of unity and tolerance. This dialogue provided a valuable learning experience for the children, promoting harmony and interfaith awareness.

The Administrative Block of St. Sebastian School, Khaniyadhana was blessed by Most Rev. Joseph Thykkattil, accompanied by Manager Fr. Michael Antone and Principal Fr. Peter Y. The ceremony took place on October 26, 2024, in the presence of sisters, teachers, parents, and students, marking a significant milestone for the school community.

THE NATIONAL YOUTH CONFERENCE WAS HELD IN JALANDHAR TO CELEBRATE THE SILVER JUBILEE OF THE INDIAN CATHOLIC YOUTH MOVEMENT (ICYM)

THE PARISH TEAMS OF THE DIOCESE ATTENDED A BASIC ECCLESIAL COMMUNITY (BEC) TRAINING FROM OCTOBER 30 TO NOVEMBER 1, 2024, AT VIANNEY BHAWAN, LED BY FR. THOMAS VIJAY SAC AND COORDINATED BY FR. MICHAEL ANTHONE.

A MARRIAGE PREPARATION COURSE WAS CONDUCTED AT THE PASTORAL CENTRE IN GWALIOR, LED BY FR. MICHAEL ANTONE AND OTHER FATHERS AND PEOPLE. THE COURSE AIMED TO PREPARE COUPLES FOR A STRONG AND FAITH-FILLED MARRIAGE, OFFERING GUIDANCE AND SUPPORT FOR THEIR NEW JOURNEY TOGETHER.

As part of the congregation's feast day celebrations, St. Teresa Parish, Sikandar Kampoo, hosted a monthly recollection, skillfully facilitated by Fr. Nelson OCD.

At Ashakiran Unit III, study teachers are equipping students with effective learning strategies and personalized support, helping them overcome challenges and reach their full potential.

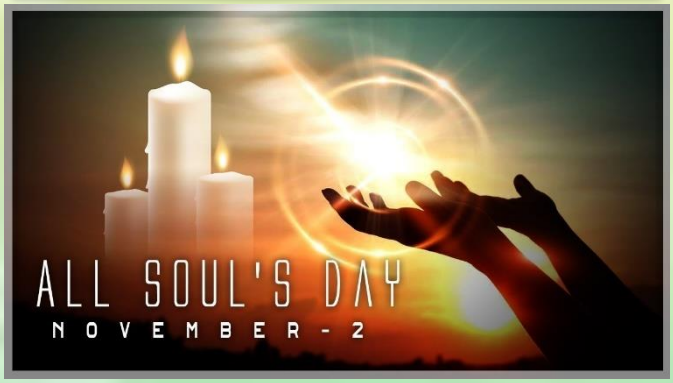

ग्वालियर धर्मप्रांत में जेरीको रोज़री

हाल ही में ग्वालियर धर्मप्रांत में युवा आयोग द्वारा फा. साईमन राज, ग्वालियर के युवा निदेशक, के नेतृत्व में जेरीको रोज़री कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को प्रार्थना में एकजुट करना और समुदाय में आध्यात्मिकता को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम करुणा बिशप हाउस में बिशप के आशीर्वाद के साथ संपन्न हुआ, जो सभी लोगो के लिए आस्था और एकता का विशेष क्षण बना। जेरीको रोज़री, डायोसिस में भक्ति को बढ़ावा देने और आध्यात्मिक जीवन को समृद्ध बनाने में युवाओं की सक्रिय भूमिका को दर्शाता है।

ग्वालियर धर्मप्रांत में दो दिवसीय बाइबल महोत्सव

ग्वालियर धर्मप्रांत में दो दिवसीय बाइबल महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसका संचालन फादर अल्फ्रेड डिसूजा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाइबल के संदेश को बच्चों और युवाओं तक पहुँचाना और उनकी आध्यात्मिकता को बढ़ावा देना था।कार्यक्रम के दौरान धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप जोसेफ थाईकातिल जी ने बच्चों को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित किया। इस आयोजन का सफलतापूर्वक आयोजन फादर आकाश और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया।

रविवार 6 अक्टूबर को, संत पॉल चर्च के पल्ली पुरोहित एवं स्कूल के प्राचार्य फादर पायस की पुरोहिताभिषेक की रजत जयंती की मिस्सा संत पॉल चर्च मुरार में अर्पित की गईं।इस दौरान फादर पायस द्वारा केक काटा गया।

मिस्सा बलिदान में मुख्य पुरोहित फादर पायस,ग्वालियर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष जोसफ थायकाटिल, पूर्व धर्माध्यक्ष डॉ जोसफ कैथातारा, झाँसी धर्मप्रांत के पूर्व धर्माध्यक्ष डॉ.पीटर पारापुलिल, ग्वालियर एवं झाँसी धर्मप्रांत के विकार जनरल फादर लॉरेंस डिसूज़ा, फादर तरसियस ब्रिरटो, फादर जेम्स .टी. एवं ग्वालियर धर्मप्रांत एवं झाँसी धर्मप्रांत के पुरोहितगण उपस्थिति थे। साथ ही फादर पायस के परिवारजन दक्षिण भारत से इस समारोह में शामिल हुए।

झाँसी धर्मप्रांत के पूर्व धर्माध्यक्ष ने अपने उपदेश में फादर पायस के गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक अच्छे धर्मगुरु, प्राचार्य एवं नैतिक गुणों से परिपूर्ण एवं प्रार्थनामय पुरोहित हैं। उन्होंने कहा पुरोहित बनना आसान नहीं है,उनके जीवन में बहुत कठिनाइया आती हैं। जिसका हर पुरोहित सामना करता है। ईश्वर को धन्यवाद की उसने फादर पायस को पुरोहिताई कार्य के लिया चुना उनके कार्यकाल में ग्वालियर धर्मप्रांत में उनकी अलग -अलग पल्ली की सेवाओं के लिए भी ईश्वर को धन्यवाद दिया। ग्वालियर धर्मप्रांत से विभिन्न पल्ली से आए पुरोहित,धर्म बहनो,एवं सभी पल्लीवासियो ने उन्हें शुभकामनायें दीं।

प्रदेश टुडे Digital Edition
PRADESHTODAY.COM
ग्वालियर, रविवार 13 अक्टूबर 2024

सेंट पॉल चर्च में दिया प्रथम परम प्रसाद

ग्वालियर। धर्मप्रांत के प्रवक्ता फादर पवन एवं ऐबिल एक्सट्रोस ने बताया की आज रविवार सुबह 9.30 बजे संत पॉल चर्च में ग्वालियर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष डॉ. जोसफ थायकाट्टिल ने बच्चों को प्रथम परम प्रसाद एवं दृढीकरण संस्कार दिया। मिस्सा बलिदान में मुख्य अनुष्ठान दाता ग्वालियर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष जोसफ थायकाटिल, पल्ली पुरोहित फादर पायस, सहायक पल्ली पुरोहित फादर पवन डेविड, ग्वालियर धर्मप्रांत गुरुकुल के आचार्य फादर ऐ.डेविड ,फादर एंटनी स्वामी , धर्माध्यक्ष के सचिव फादर आरोक्यदास, फादर सानू अलुनकल,फादर अरुल जोसफ, ग्वालियर धर्मप्रांत के आध्यात्मिक धर्मगुरु फादर विंसेंट सोरिस, फादर मार्टिन जोसफ फादर एवं फादर जोस उपस्थिति थे। धर्माध्यक्ष ने प्रथम परमप्रसाद एवं दृढ़ीकरण संस्कार ग्रहण कर रहे बच्चों एवं उनके माता-पिता एवं सभी पल्लीवासियों को शुभकामनाएं दीं।

आज का आचरण

दो दिवसीय बाइबल महोत्सव

दिनांक 11.10.24 शुक्रवार सुबह 11.00 बजे ग्वालियर धर्मप्रांत के वियानी भवन पुरानी छावनी में दो दिवसीय बाइबल महोत्सव का सेमिनार फादर आयसेक आकाश द्वारा आयोजित किया गया, जिसके मुख्य वक्ता भोपाल महाधर्मप्रांत के फादर अल्फ्रेड डिसूजा थे । उत्सव का शुभारंभ में मुख्य अनुष्ठानदाता धर्माध्यक्ष डॉ.जोसफ थायकाटिल द्वारा मिस्सा बलिदान अर्पित किया गया ,उनके साथ वेदी पर फादर आयसक आकाश, फादर पवन डेविड,फादर रौशन केरकट्टा एवं भोपाल महाधर्मप्रांत के फादर अल्फ्रेड डिसूजा उपस्थिति थे।

धर्माध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा कि हमें एक दूसरे के गुणों की सराहना एवं उत्साहवर्धन करना चाहिए द्य हमें ईर्ष्या नहीं करना चाहिए बल्की एक दूसरे की मदद करना चाहिएद्य धर्म प्रांत की विभिन्न पल्ली के लगभग 125 बच्चों इस महोत्सव में शामिल हुए द्य

फादर अल्फ्रेड डिसूजा ने युवाओं को बाइबल के वचनों पर मनन चिंतन करने के लिए बताया उन्होंने कहा हमें प्रतिदिन बाइबल का कम से कम एक अध्याय पढ़ कर उस पर मनन चिंतन करना चाहिए जिससे हमारे जीवन में उसका प्रभाव पड़ेगा आगे जानकारी देते हुए बताया की पल्ली स्तरीय पर ली गई तालीम परीक्षा के विजेताओं को ग्वालियर धर्माध्यक्ष द्वारा प्रणाम एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया महोत्सव का समापन शनिवार 2:00 बजे किया गया । आभार फादर आयसक [illegible] किया गया।

प्रदेश टुडे Digital Edition
PRADESHTODAY.COM
ग्वालियर, शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024

युवा मीडिया दिवस मनाया गया

ग्वालियर। धर्मप्रांत द्वारा वियानी स्कूल,पुरानी छावनी में युवा मीडिया दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में धर्मप्रांत के लगभग 80 युवाजन ने भाग लिया। कार्यक्रम के वक्ता मीडिया निर्देशक फादर शानू ने कहा कि आज के युग में सोशल मीडिया का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। ये हमारे लिए बहुत उपयोगी भी है किंतु जब मीडिया गलत हाथों में होता है तो एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी) और सोशल मीडिया सुरक्षित नहीं होते हैं एवं घातक सिद्ध होते हैं। अतः हमें इनका उपयोग सावधानी एवं सतर्कता से करना चाहिए। कार्यक्रम में धर्मप्रांत की विभिन्न पल्लियों से आए युवाजन द्वारा शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता में शामिल होकर फिल्म दर्शाई गईं। प्रतियोगिता के विजेता संत मेरी चर्च मुरैना के युवाजन को धर्माध्यक्ष द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। साथ ही ग्वालियर ध्वनि के विभिन्न पदाधिकारी एबिल एक्सट्रोस चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर, प्रिंस समन्वयक अमित, राकेश, फादर सानू एवं फादर जॉनसन बी. मरिया को धर्माध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में फादर जॉनसन बी.मारिया, फादर माईकल अंतोन विशेष रूप से उपस्थित थे। यह कार्यक्रम युवा निदेशक फादर साइमन राज के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।

प्रदेश टुडे Digital Edition
PRADESHTODAY.COM
ग्वालियर, सोमवार 07 अक्टूबर 2024

पुरोहिताभिषेक की रजत जयंती मनी

ग्वालियर। संत पॉल चर्च के पल्ली पुरोहित एवं स्कूल के प्राचार्य फादर पायस की पुरोहिताभिषेक की रजत जयंती की मिस्सा शाम 5.00 बजे संत पॉल चर्च मुरार में अर्पित की गईं । मिस्सा बलिदान में मुख्य पुरोहित फादर पायस,ग्वालियर धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष जोसफ थायकाटिल, पूर्व धर्माध्यक्ष डॉ. जोसफ कैथातारा, झाँसी धर्मप्रांत के पूर्व धर्माध्यक्ष डॉ.पीटर पारापुलिल, ग्वालियर एवं झांसी धर्मप्रांत के विकार

जनरल फादर लॉरेंस डिसूजा, फादर तरसियस ब्रिटो, फादर जेम्स .टी. एवं ग्वालियर धर्मप्रांत एवं झांसी धर्मप्रांत के पुरोहितगण उपस्थिति थे। साथ ही फादर पायस के दक्षिण भारत से आये परिजन इस समारोह में शामिल हुए। झाँसी धर्मप्रांत के पूर्व धर्माध्यक्ष ने अपने उपदेश में फादर पायस के गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक अच्छे धर्मगुरु, प्राचार्य एवं नैतिक गुणों से परिपूर्ण एवं प्रार्थनामय पुरोहित हैं। उन्होंने कहा पुरोहित बनना आसान नहीं है,उनके जीवन में बहुत कटनाईया आती हैं। जिसका हर पुरोहित सामना करता है। ईश्वर को धन्यवाद की उसने फादर पायस को पुरोहिताई कार्य के लिया चुना उनके कार्यकाल में ग्वालियर धर्मप्रांत में उनकी अलग -अलग पल्ली की सेवाओं के लिए भी ईश्वर को धन्यवाद दिया। मिस्सा में गायन मंडली का संचालन फादर साइमन राज एवं फादर आयसक आकाश ने किया । अतिथियों का स्वागत फादर जॉन्सन बी. मरिया ने किया । फादर पायस द्वारा केक काटा गया। ग्वालियर धर्मप्रांत से विभिन्न पल्ली से आए पुरोहित,धर्म बहनो,एवं सभी पल्लीवासियो ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। संस्कृति कार्यक्रम का संचालन श्री टॉम ने किया आभार फादर हर्शल ने किया।

वियानी स्कूल पुरानी छावनी में युवा मीडिया दिवस मना

विगत दिवस ग्वालियर धर्मप्रांत द्वारा वियानी स्कूल ,पुरानी छावनी में ङ्कयुवा मीडिया दिवसङ्क ??मनाया गया। इस कार्यक्रम में धर्मप्रांत के लगभग 80 युवाजन ने भाग लिया। कार्यक्रम के वक्ता मीडिया निर्देशक फादर शानू ने कहा कि आज के युग में सोशल मीडिया का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। ये हमारे लिए बहुत उपयोगी भी है किंतु जब मीडिया गलत हाथों में होता है तो ,द्य (छ ह ह्ल द्ब द्ब द्ब ड्ड द्य ङ्खठ्ठह्लद्गद्यद्यद्बद्दद्गठ्ठष्द्ग) और सॉशल मीडिया सुरक्षित नहीं होते हैं एवं घातक सिद्ध होते हैं। अत: हमें इनका उपयोग सावधानी एवं सतर्कता से करना चाहिए जिससे यह अपने तथा दूसरों के लिए भी उपयोगी एवं हमारे भविष्य निर्माण में सहायक हों । ,द्ब सिर्फ एक मशीन है, ये आपकी क्षमताओं, प्रतिभाओं एवं रचनात्मकता को मार सकता है। अत: हमको इसका उपयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए। कार्यक्रम में धर्मप्रांत की विभिन्न पल्लियों से आए युवाजन द्वारा शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता में शामिल होकर फिल्म दर्शाई गईं।प्रतियोगिता के विजेता ङ्कसंत मेरी चर्चङ्क मुरैना के युवाजन को धर्माध्यक्ष द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।साथ ही ङ्कग्वालियर ध्वनि ङ्क के विभिन्न पदाधिकारी श्री एबिल एक्सट्रोस ,चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर, श्री प्रिंस, समन्वयक, श्री अमित, संपादक ,श्री राकेश, विडियोग्राफर , मीडिया निर्देशक फादर सानू एवं फादर जॉनसन बी. मरिया ग्वालियर धर्मप्रांत प्रबंधक मीडिया चैनल को धर्माध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में फादर जॉनसन बी.मारिया, ग्वालियर धर्मप्रांत प्रबंधक मीडिया चैनल एवं पूर्व युवा निदेशक फादर माईकल अंतोन विशेष रूप से उपस्थित थे । यह कार्यक्रम युवा निदेशक फादर साइमन राज के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।

बैंड प्रतियोगिता में सेंट पॉल प्रथम व केंद्रीय स्कूल दूसरे स्थान पर

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

ग्वालियर. जिला स्तरीय बैंड प्रतियोगिता शुक्रवार को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 मुरार में हुई। इसमें जिले के चार शासकीय व अशासकीय विद्यालयों ने भाग लिया।

बैंड प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार, विशिष्ट अतिथि जिला नोडल अधिकारी ईको आफाक हुसैन व शमशाद खान जिला नोडल अधिकारी सांस्कृतिक विभाग ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रबुद्ध गर्ग ने की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सेंट पॉल हायर सेकंडरी स्कूल, द्वितीय स्थान पर केन्द्रीय विद्यालय टेकनपुर, तृतीय स्थान पर विद्या विहार स्कूल व चतुर्थ स्थान पर शासकीय सीएम राइज पद्मा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रहा। जिन्हें मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। जिला , शिक्षा अधिकारी कटियार ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गणतंत्र दिवस 2025 पर राष्ट्रीय इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता का राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है। इसमें प्रदेश स्तर से बालक-बालिका इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगी दल का चयन किया जाएगा। यह दल गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में प्रस्तुति देगा। इस मौके पर एनसीसी कैप्टन डीपीएस बघेल, सीबी श्रीवास्तव, रेखा, उमेश पाठक सहित अन्य मौजूद रहे।

उरांव आदिवासी समाज ने मनाया नया खानी

अपनी संस्कृति से जुड़े रहें युवा

ग्वालियर @ पत्रिका. संत पॉल चर्च में रविवार को उरांव आदिवासी समाज ने नया खानी (तुसगो पर्व) मनाया। सुबह चर्च में ईसाई उरांव आदिवासी समाज ने मिस्सा बलिदान में हिस्सा लिया।

मुख्य अनुष्ठानदाता बनारस धर्मप्रांत के फादर नमन मिंज, संत जॉन महागिरजाघर के सहायक पल्ली पुरोहित फादर रोशन केरकेट्टा, आगरा धर्मप्रांत के फादर निरंजन खैस, संत पॉल चर्च के पल्ली पुरोहित फादर पायस, सहायक पल्ली पुरोहित पवन डेविड ने मिस्सा बलिदान अर्पित किया। मिस्सा मं पहला पाठ रेणुका इक्का दूसरा पाठ आदर्श तिर्की एवं सुसमाचार फाद रौशन केरकेट्टा ने पढ़ा।

धर्मप्रांत के प्रवक्ता एबिल एक्सट्रोस ने बताया कि उरांव संगठन परंपरा के अनुसार नई फसल पकने, फसल आने एवं कटनी की खुशी में यह त्योहार नया खानी (तुसगो पर्व) के रूप में मनाते हैं फादर नमन मिंज ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपनी भाषा एव संस्कृति से दूर हो रही है। हमें इसे जाग्रत रखना है।

ST. FRANCIS OF ASSISI: PATRON OF ECOLOGY

Catholic Church celebrates the feast of St Francis Assisi on 4th October. He is honored as the patron saint of Ecology because of his ardent love for nature. His poem on Nature, The Canticle of Creatures reveals his deep understanding of nature. St. Francis of Assisi: His most famous work, "The Canticle of Creatures," is a profound expression of this love and a celebration of the natural world. A Hymn of Praise Composed in the Umbrian dialect of Italian around 1225, "The Canticle of Creatures" is considered one of the first works of Italian literature with a known author.

It is a poetic hymn that praises God for all His creations, from the sun and moon to the earth and its inhabitants.

Key Themes

* Universal Brotherhood: Francis views all creatures as his brothers and sisters, emphasizing the interconnectedness of all life. * Gratitude for Creation: The canticle is a joyful expression of gratitude for the beauty and bounty of the natural world. * God's Presence in All Things: Francis sees God's presence in every aspect of creation, from the smallest insect to the vast expanse of the heavens.

The Impact of the Canticle

The "Canticle of Creatures" has had a lasting impact on Christian spirituality and environmentalism. It has inspired countless individuals to develop a deeper appreciation for nature and to live in harmony with the earth. Francis's message of universal brotherhood and ecological responsibility continues to resonate with people around the world.

St. Francis of Assisi's "Canticle of Creatures" is a powerful and beautiful expression of love for God and all creation. It is a reminder of our interconnectedness with the natural world and our responsibility to care for it. As we face the challenges of environmental degradation and climate change, Francis's message of ecological stewardship offers hope and inspiration for a more sustainable future.

Fr. Joseph James

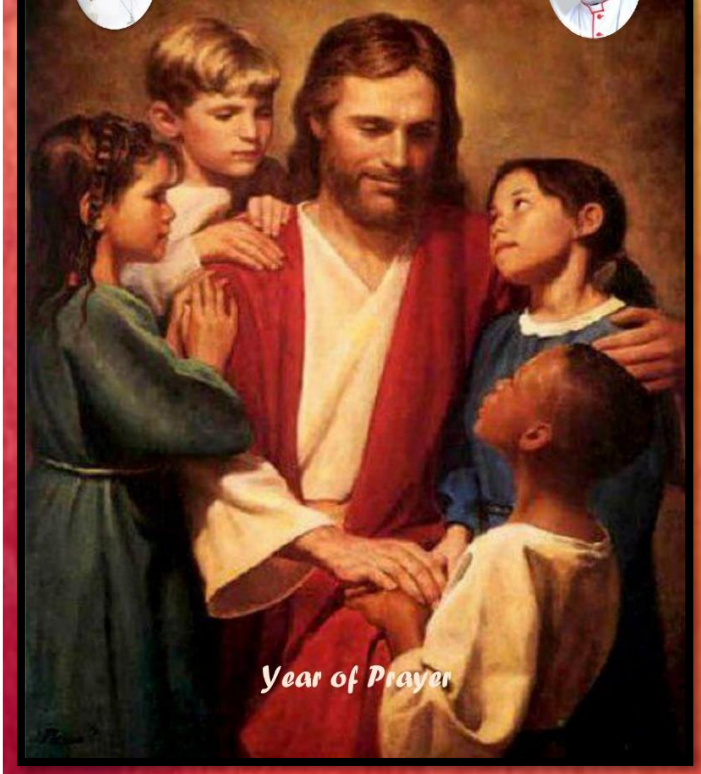

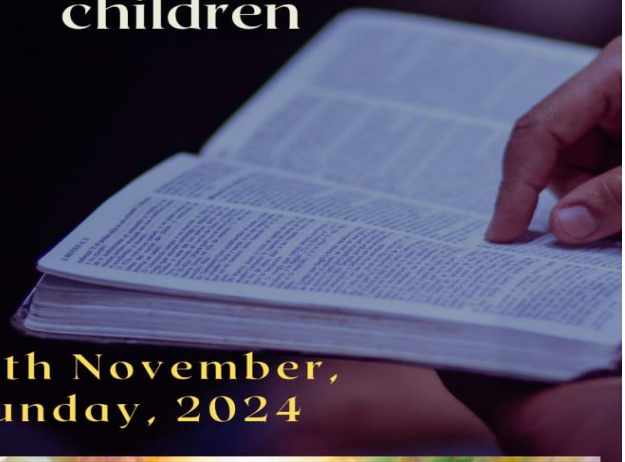

CATECHETICAL COMMISSION
DIOCESE OF GWALIOR
CATECHETICAL SUNDAY
November 3, 2024
Year of Prayer

COMMISSION FOR CATECHETICS,
DIOCESE OF GWALIOR
Midterm Exam
2024-25
for Catechism
children
17th November,
Sunday, 2024

THE CATHOLIC DIOCESE OF GWALIOR
COMMISSION FOR LAITY AND B E C
MARRIAGE PREPARATION COURSE
VENUES: DIOCESAN PASTORAL CENTRE, VIANNEY BHAVAN, PURANI CHAWNI, GWALIOR.
STARTS ON: 7TH MARCH 2025, FRIDAY
REACHING TIME - 16:00 PM
REGISTRATION - 17:15 PM
REGISTRATION FEE RS. 2000/
ENDS ON:- 9TH MARCH, 2025,
AT 13:30 PM SUNDAY
FR. MICHAEL ANTHONE
7987094087

DIOCESE OF GWALIOR
GWALIOR
DHWANI
Media &
Communication
Services
1. LIVE STREAMING
2. VIDEO RECORDING
of events/programs
Gwalior Dhwani News Bulletin
1. Add your Birthdays
2. Happy Occasions etc.,
Contact us
7034459219, 9834036361
WWW.GWALIORDIOCESE.COM
GWALIOR
DHWANI

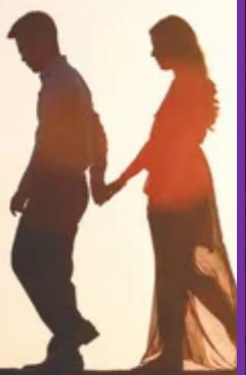

CARITAS GWALIOR

A HUMBLE DIOCESAN EFFORT TO RAISE RESOURCES TOWARDS SOCIAL WELFARE ACTIVITIES

Even the poorest of the poor can be a part of this.

Remember the needy and contribute to CARITAS GWALIOR especially at the time of celebration: Marriage, Feast, First Holy Communion, Confirmation, Jubilee, Baptism, Success in Exams, Getting a Job, New House, Parish Feast, Pastoral Visitation etc.

October 2024

1. Media, Gwalior Dhwani	Rs. 1,000/-
2. GD Media (Mrs A. Mary Dhanraj)	Rs 15,000/-
3. St John the Baptist Cathedral	Rs. 3,120/-
4. Little Flower School, Badarwas	Rs. 10,000/-
5. St Paul School, Morar	Rs. 30,000/-
6. Gwalior Dhwani Media (St Paul's)	Rs. 25,000/-
7. St Sebastian's School, Khaniyadhana	Rs. 6,000/-
8. Shashi Kiran, Khaniyadhana	Rs. 10,000/-

Send your Valuable Contribution to

Acc Name: **Caritas Gwalior**
A/C No: **945420110000348**
Bank: **Bank of India Morar, Gwalior**
IFSC: **BKID0009454**
MICR: **47401300**

Please WhatsApp a copy of your 'id proof' and amount to the Financial Administrator's contact number: 8462963204 for accounting purpose, Thank you.

With sincere thanks,
Financial Administrator

PROJECT 'अपना घर'

INFANT JESUS SHRINE AND MULTIPURPOSE SPIRITUALITY CENTER, DABRA

FOR THE GLORY OF GOD AND WELFARE OF HUMANITY

October 2024

1. St. Joseph's School, Piproli	Rs. 5,000/-
2. St. Teresa of Child Jesus, Badarwas	Rs. 5,000/-
3. Mr. Sasi Tahir	Rs. 5,000/-

you and your family/community receive God's Blessings in abundance.

Send your valuable contribution to

Acc Name:	**Infant Jesus Shrine Dabra**
Acc No:	**53610100006876**
Branch:	**Dabra**
IFSC:	**BARBODABRAX**
MICR CODE:	**475012051**

BANK OF BARODA, DABRA.

Please WhatsApp a copy of your 'ID proof' and amount to the Financial Administrator's contact number: 8462963204 for accounting purpose, Thank you.

With sincere thanks,
Financial Administrator

St. Gertrude the Great

16th November

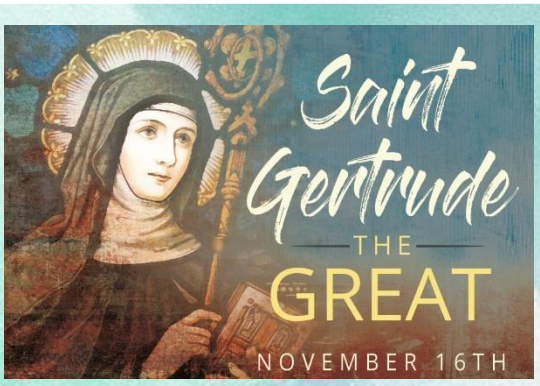

November 16 is the feast day of Saint Gertrude the Great, a German Benedictine nun and mystic who is recognized by the Catholic Church:

Life:

Born in Eisleben, Thuringia on January 6, 1256, Gertrude was sent to the Cistercian monastery school of Helfta in Saxony at age 5. She became a nun and devoted herself to studying Scripture, Church Fathers, and theological treatises. In 1281, she had her first mystical vision and began to live a life of prayer and meditation. She died on November 16, though it is not known whether this was in 1301 or 1302.

Title:

Pope Benedict XIV gave her the title "the Great" in the mid-eighteenth century to highlight her contribution to mystical theology. She is the only female saint to be given this title.

Patronage:

She is the patron saint of the West Indies and travelers.

Writings:

Some of her surviving works include The Herald of Divine Love, The Life and Revelations, and St. Gertrude's Spiritual Exercises.

Devotion:

She was a notable early devotee of the Sacred Heart of Jesus. She showed sympathy towards the souls in purgatory and urged prayers for them.

MASS READING: November 2024

Sunday	Monday	Tuesday	Wednesday	Thursday	Friday	Saturday
					01 ALL SAINTS DAY REV 7: 2-4,9-14	02 ALL SOULS DAY WIS 3: 1- 9 ROM 5: 5- 11 J 6: 37-40
03 31 SUN IN ORD DEUT 6: 2-6 HEB 7: 23- 28 MK 12: 28-34	04 ST. CHARLES PHIL 2: 1-4 LK 14: 12- 14	05 PHIL 2: 5- 11 LK 14: 15- 24	06 PHIL 2: 12- 18 LK 14: 25- 33	07 PHIL 3: 3- 8 LK 15: 1- 10	08 PHIL 3: 17-4:1 LKM 16- 1- 8	09 EZEK 47: 1- 23, 8-9 JN 2: 13- 22
10 32 SUN IN ORD 1KGS 17: 10- 16 HEB 9: 24- 28 MK 12: 38- 44	11 ST. MARTIN OF TOURS TIT 1: 1- 9 LK 17: 1-6	12 ST. JOSAPHAT TIT 2: 1- 8, 11- 14 LK 17: 7- 10	13 TIT 3: 1- 7 LK 17: 11- 19	14 PHIL 7: 20 LK 17: 20- 25	15 2 JN 4- 9 LK 17: 26- 37	16 3 JN 5- 8 LK 18: 1- 8
17 33 SUN IN ORD DAN 12: 1- 3 HEB 10: 11- 14, 18 MK 13: 24- 32	18 REV 1: 1- 4: 2; 1-5 LK 18: 35- 43	19 REV 3: 1- 6, 14- 22 LK 19: 1- 10	20 REV 4: 1- 11 LK 19: 11- 28	21 THR PRESENTATION OF THE BVM ZECH 2: 10- 13 LK 1: 46- 47, 48, 49	22 ST. CECILIA REV 10: 8- 11 LK 19: 45- 48	23 ST. CLEMENT REV 11: 4- 12 LK 20: 27- 40
24 CHRIST THE KING DAN 7: 13-14 REV 1: 5- 8 JN 18: 33B- 37	25 REV 14: 1- 3,4 LK 21: 1- 5	26 REV 14: 14-19 LK 21: 5- 11	27 REV 15: 1- 4 LK 21: 12- 19	28 REV 18: 1- 2, 21 LK 21: 20- 28	29 REV 20: 1-4, 11-21 LK 21: 29- 33	30 ST. ANDREW RO 10: 9- 18 MT 4: 18- 22